Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H. D jain college, ara

Notes for B. A part 3

Question :- बलबन की जीवनी और उपलब्धियां का वर्णन करें

ग़ियासुद्दीन बलबन: संक्षिप्त जीवनी एवं उपलब्धियाँ

जीवनी:

ग़ियासुद्दीन बलबन (1200-1287 ई.) दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश का प्रमुख सुल्तान था। वह इल्तुतमिश द्वारा खरीदा गया तुर्क गुलाम था और अपनी योग्यता के कारण "चालीसा" (तुर्की अमीरों का समूह) में शामिल हुआ। नासिरुद्दीन महमूद (1246-1266 ई.) के शासनकाल में बलबन प्रधानमंत्री (नायब-ए-मामलिकत) बना और असली सत्ता उसी के हाथ में रही। 1266 ई. में नासिरुद्दीन महमूद की मृत्यु के बाद वह स्वयं दिल्ली का सुल्तान बन गया और 1287 ई. तक शासन किया।

प्रमुख उपलब्धियाँ:

1. **सशक्त केन्द्रीय सत्ता की स्थापना** - बलबन ने चालीसा दल (तुर्की अमीरों के समूह) का दमन किया और राजत्व के सिद्धांत को सुदृढ़ किया।
2. **दिव्य अधिकारों का सिद्धांत** - उसने "नियम-ए-मुल्क" लागू कर शाही सत्ता को अलौकिक बताया और दरबार में सिजदा (साष्टांग प्रणाम) और पैबोस (पैर चूमना) की परंपरा शुरू की।
3. **आंतरिक शांति एवं व्यवस्था** - बलबन ने दस्यु समूहों का दमन किया, विशेषकर मेवात के डाकुओं का सफाया किया और सुदृढ़ पुलिस प्रशासन स्थापित किया।
4. **मंगोल आक्रमणों से रक्षा** - उसने उत्तर-पश्चिमी सीमा पर किलों का निर्माण कराया और मंगोलों से रक्षा हेतु एक मज़बूत सेना तैयार की।
5. **सामंतवाद पर नियंत्रण** - सामंतों को कठोर अनुशासन में रखा और विद्रोह करने वाले अधिकारियों का कठोर दमन किया।

6. **न्यायिक सुधार** – "लौह एवं रक्त की नीति" (Blood & Iron Policy) अपनाकर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया।
7. **सांस्कृतिक योगदान** - बलबन ने फारसी संस्कृति को बढ़ावा दिया, और उसके दरबार में प्रसिद्ध कवि अमीर खुसरो और मिर्जा मिन्हाज-उस-सिराज रहे।

मृत्यु एवं उत्तराधिकारी

1287 ई. में बलबन की मृत्यु हो गई। उसका उत्तराधिकारी उसका पोता कैकुबाद बना, लेकिन वह दुर्बल शासक साबित हुआ और 1290 ई. में खिलजी वंश के जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने सत्ता हथिया ली।

निष्कर्ष:

ग़ियासुद्दीन बलबन दिल्ली सल्तनत का एक शक्तिशाली शासक था जिसने शासन को मजबूत किया और मंगोल आक्रमणों से सल्तनत की रक्षा की। उसका शासन एक सशक्त केन्द्रीय सत्ता और अनुशासन पर आधारित था, जिससे दिल्ली सल्तनत को स्थायित्व मिला।